

प्रेषक,

एम०एम०खान,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-२

देहरादून: दिनांक: ०२ फरवरी, २०१०

०२ फरवरी

जनवरी, २०१०

विषय: गंगा प्रदूषण नियंत्रण कार्यों के अन्तर्गत हरिद्वार/ऋषिकेश में प्रदूषण नियंत्रण कार्यों हेतु गंगा कार्ययोजना (70 प्रतिशत के०प०) कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक भारत सरकार के पत्र संख्या J-11011/5/2003-NRCD-ii दिनांक 10.11.2006 द्वारा हरिद्वार एवं ऋषिकेश में गंगा पद्मूषण एवं नियंत्रण कार्यों हेतु 7 प्राक्कलनों की अनु०लागत रु० 4715.00 लाख की धनराशि पर 70:30 केन्द्र॑श/राज्य॑श के आधार पर तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई। भारत सरकार के पत्र संख्या J-39011/2/2001-NRCD-ii दिनांक 22.12.2006 द्वारा योजना के अनु०लागत रु० 4715.00 लाख का 70 प्रतिशत केन्द्र॑श रु० 3300.50 लाख के सापेक्ष रु० 825.00 लाख, पत्र संख्या J-39011/2/2001-NRCD-ii(Vol II) दिनांक 03.02.09 द्वारा रु० 150.00 लाख एवं पत्र संख्या J-39011/2/2001-NRCD-ii(Vol.ii) दिनांक 15.05.2009 द्वारा रु० 1500.00 लाख अर्थात् कुल रु० 2475.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है जो कि योजना की लागत रु० 4715.00 लाख पर 70 प्रतिशत केन्द्र॑श रु० 3300.50 लाख का लगभग 75 प्रतिशत बनता है। योजना की लागत पर 30 प्रतिशत राज्य॑श रु० 1414.50 लाख के सापेक्ष शासनादेश संख्या 32/उन्तीस(२)/०६-२(०३प०)/२००७ दिनांक 23.03.2007 द्वारा रु० 186.08 लाख, शासनादेश संख्या 2071/उन्तीस(२)/०६-२(०३प०)/२००७ दिनांक 11.12.08 द्वारा रु० 167.55 लाख, शासनादेश संख्या 241(1)/उन्तीस(२)/०८-२(०३प०)/२००७ दिनांक 05.03.2009 द्वारा रु० 45.00 लाख तथा शासनादेश संख्या 934/उन्तीस(२)/०९-२(०३प०)/२००७ दिनांक 23.09.2009 द्वारा रु० 300.00 लाख अर्थात् कुल रु० 698.63 लाख राज्य॑श की धनराशि अवमुक्त की गयी। अतः तत्क्रम में आपके पत्र संख्या 2614/धनावंटन प्रस्ताव दिनांक 31.07.2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में गंगा कार्य योजना (70 प्रतिशत के०प०) अतिरिक्त कार्य के अन्तर्गत हरिद्वार/ऋषिकेश नगरों में गंगा प्रदूषण नियंत्रण कार्यों हेतु राज्य॑श रु० 362.35 लाख (रु० तीन करोड़ बासठ लाख पैंतीस हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2— स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, यथा आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

3— केन्द्रौश/राज्यौश से निर्मित योजना के कार्यों की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन/भारत सरकार को तत्काल उपलब्ध कराया जायेगा।

4— स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2010 तक पूर्ण उपयोग कर कार्यों का वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को प्रस्तुत कर दिया जाय।

5— कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी माने जायेगे।

6— स्वीकृत धनराशि का व्यय प्रश्नगत कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार ही किया जायेगा।

7— व्यय करते समय बजट मेनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 एवं उक्त के क्रम में समय-समय पर निर्गत दिशानिर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।

8— योजना इसी लागत में पूर्ण कर ली जायेगी और इसमें विलम्ब व अन्य कारणों से लागत में कोई पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।

9— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है। स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

10— कराये जाने वाले कार्यों पर वित्त(वे0आ0-सा0नि0) अनुभाग-7 के शासनादेश संख्या 163/XXVII(7)/2007, दिनांक 22.05.08 के अनुसार सेन्टेज प्रभार अनुमन्य होगा।

11— उपरोक्त के अतिरिक्त शासनादेश संख्या 32/उन्तीस(2)/06-2(03पे0)/ 2007 दिनांक 23.03.2007 एवं तत्सम्बंधी शासनादेश संख्या 2071, दिनांक 11.12.08, शासनादेश संख्या 241 दिनांक 05.03.2009 तथा शासनादेश संख्या 934/उन्तीस(2)/09-2(03पे0)/ 2007 दिनांक 23.09.09 में उल्लिखित सभी शर्तें यथावत् रहेगी।

12— उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान सं0-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक “2215-जलापूर्ति तथा सफाई-02-मल निकासी एवं सफाई-आयोजनागत-107 मल निकासी सेवाये- 01- केन्द्रीय आयोजनागत-केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-05-गंगा कार्ययोजना (70प्रतिशत के0स0) अतिरिक्त कार्य-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे” डाला जायेगा।

13— यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0 938/XXVII(2)/2010 दिनांक 25 जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0एच0खान)

सचिव

पृ०सं०।५६०।/उन्तीस(२)।१०-२(०३प०)।२००७, तददिनांक

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून ।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल ।
3. जिलाधिकारी, देहरादून ।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
5. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून ।
6. मुख्य अभियन्ता गढ़वाल उत्तराखण्ड पेयजल निगम ।
7. मुख्य महाप्रबन्धक गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई श्रीनगर, गढ़वाल ।
8. वित्त अनुभाग—२/वित्त (बजट सैल) /नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड ।
9. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री, उत्तराखण्ड ।
10. स्टाफ ऑफिसर—मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ ।
11. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून ।
12. ~~निदेशक, एन०आई०सी०~~ सचिवालय परिसर, देहरादून ।
13. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(अमित सिंह नेगी)

अपर सचिव